खबर संक्षेप

आज सिंधु भवन में बरसेगा ज्ञान

बुढार। भौतिकता की अंधी दौड़ और मानसिक तनाव के बीच मानवता को शांति का रास्ता दिखाने के लिए रविवार, 4 जनवरी को बुढार में एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक धमाका होने जा रहा है। सिंधु भवन के प्रांगण में आयोजित होने वाला यह भव्य सत्संग केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए एक सीधी चुनौती है जो नफरत और संकीर्णता के घेरे में सिमटे हुए हैं।

अंधकार से उजाले की ओर

शाम 3:50 बजे से शुरू होने वाले इस सत्र में सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राज पिता जी के क्रांतिकारी विचार वीडियो संदेश के जरिए सीधे जनमानस के हृदय पर प्रहार करेंगे। आयोजकों का स्पष्ट संदेश है, सत्य को पहचानो और इंसानियत को गले लगाओ। सत्संग के मंच से बहन नेहा सेवानी अपने धारदार और प्रेरणादायी संबोधन से रूहानियत की उस शक्ति का परिचय देंगी, जो मनुष्य को खुद से परिचित कराती है।

मैनेजमेंट और अनुशासन का कड़ा पहरा

इस आयोजन की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महात्मा अनिल मदनानी के कुशल संचालन के साथ-साथ सेवादल को जीरो टॉलरेंस अनुशासन के निर्देश दिए गए हैं। सभी सेवादारों को कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही मोर्चे पर तैनात रहने को कहा गया है, ताकि एक भी श्रद्धालु अध्यात्म के इस अमृत पान से वंचित न रहे।

समाज को आईना दिखाने का प्रयास

यह सत्संग समाज में फैले भ्रम, पाखंड और आपसी द्वेष के खिलाफ एक स्पिरिचुअल सर्जिकल स्ट्राइक की तरह है। आयोजकों ने पूरे बुढार नगर को इस रूहानी क्रांति का हिस्सा बनने के लिए ललकारा है। यदि आप भी अपने जीवन के शोर को शांत कर आत्मिक शांति की तलाश में हैं, तो रविवार की यह शाम आपकी तकदीर बदलने वाली साबित हो सकती है।

शहडोल में अवैध मॉडिफिकेशन पर पुलिस

शहडोल। शहर की सडकों को लाइटिंग शो और शोर का अड्डा बनाने वाले वाहन मालिकों के साथ-साथ अब उन दुकानदारों की खैर नहीं है जो मोटी कमाई के चक्कर में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। शहडोल यातायात पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए शहर के प्रमुख कार डेकोरेटर्स और एक्सेसरीज विक्रेताओं को अंतिम चेतावनी (नोटिस) जारी कर दी है।यातायात थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने प्रीमियम कार वॉशिंग एंड एक्सेसरीज (कोटमा तिराहा), एमबीए कार वाला (भान पैलेस के पास) और अमन कार डेकोरेटर्स सहित कई संस्थानों को कड़े लहजे में नोटिस थमाया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट पिटीशन नं. 295/2012 में पारित निर्णय के तहत वाहनों में किसी भी तरह का अनधिकृत हस्तक्षेप अपराध की श्रेणी में आता है। चेकिंग के दौरान पाया गया है कि ये दुकानदार धड़ल्ले से वाहनों में हाई बीम लाइट, डैजलिंग एलईडी और अवैध हूबर/सायरन फिट कर रहे हैं। यातायात पुलिस द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि हैलोजन बल्ब अधिकतम 60 वॉट और एलईडी बल्ब अधिकतम 55 वॉट क्षमता के ही लगाए जा सकते हैं। बिना आधिकारिक अनुमति के किसी भी निजी वाहन में हूबर, सायरन या स्ट्रोब लाइट लगाना दंडनीय है। यदि किसी दुकान में अनधिकृत मॉडिफिकेशन पाया गया, तो उसका मालिक या प्रोपराइटर व्यक्तिगत रूप से जवाबदार होगा। पुलिस ने साफ कर दिया है कि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सडक हादसों पर लगाम लगाने और आम जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस अब सॉफ्ट टारगेट के बजाय सीधे उन केंद्रों पर हमला बोल रही है जहाँ से इन अवैध उपकरणों की बिक्री होती है।

शहडोल में रेत राज का खूनी खेल, नदियों का सीना छलनी कर रहे माफिया

खाकी और खनिज विभाग ने टेक दिए हैं घुटने

शहडोल।

जिले की जीवनदायिनी नदियां इन दिनों खनन माफियाओं के लिए सोने की खदान बन चुकी हैं। संभागीय मुख्यालय से लेकर ब्यौहारी तक और बुढ़ार से लेकर जयसिंहनगर तक, रेत तस्करों के ट्रैक्टरों की गडग़ड़ाहट ने आम आदमी का चैन छीन लिया है। शासन को करोड़ों के राजस्व का चूना लगाकर और प्रशासनिक तंत्र को बौना साबित करते हुए माफियाओं का यह दुस्साहस अब एक बड़े खूनी संघर्ष की आहट दे रहा है।

अंधेरा होते ही शुरू होता है समानांतर शासन

बुढ़ार, सिंहपुर, धनपुरी, सोहागपुर, गोहपारू और जयसिंहनगर ये वो इलाके हैं, जहां शाम ढलते ही संविधान की धाराएं नहीं, बल्कि माफियाओं की बंदूकें बोलती हैं। जैसे ही सूरज ढलता है, नदियों के शांत किनारों पर डंपरों और ट्रैक्टरों की कतारें लग जाती हैं। स्थानीय ग्रामीणों की मानें तो यह महज परिवहन नहीं, बल्कि हथियारों से लैस और शराब के नशे में धुत अपराधियों का नंगा नाच है। रात भर नदियों के सीने को छलनी किया जाता है, और प्रशासन चादर तान कर सोया रहता है।

खाकी की सरपरस्ती या सिस्टम

सबसे तीखा सवाल पुलिस और खनिज विभाग की नियत पर उठ रहा है। क्या यह मुमकिन है कि जिले के आधा दर्जन थानों की सीमा लांघकर सैकड़ों गाडिय़ां अवैध रेत लेकर गुजरें और साहबों को भनक तक न लगे? चर्चा तो यहाँ तक है कि यह पूरा काला कारोबार एक सोचे-समझे सेटअप के तहत चल रहा है। बिना राजनैतिक संरक्षण और अधिकारियों की मूक सहमति के यह बेखौफ अंदाज मुमकिन ही नहीं है। विभाग की यह चुप्पी साफ़ गवाही दे रही है कि भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हैं।

कभी भी चल सकती हैं गोलियां

रेत के इस काले धंधे ने शांत गांवों को अपराध के अड्डों में तब्दील कर दिया है। खनन क्षेत्रों में वर्चस्व की जंग इस कदर बढ़ चुकी है कि माफियाओं के बीच कभी भी गैंगवार छिड़ सकती है। शराब और हथियारों के साये में चल रहे इस कारोबार ने आम नागरिकों का नदियों के पास जाना दूभर कर दिया है। पूर्व में हुई मारपीट की घटनाएँ महज ट्रेलर हैं, पूरी फिल्म किसी बड़े खूनी खेल की ओर बढ़ रही है।

राजस्व की डकैती और घटिया निर्माण का जहर

एक ओर सरकार विकास का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी प्रोजेक्ट्स में ही इसी चोरी की रेत को खपाया जा रहा है। बिना रॉयल्टी के इस खेल से सरकार को प्रतिमाह करोड़ों की चपत लग रही है। मिट्टी युक्त और घटिया रेत से बन रहे पुल, भवन और सरकारी इमारतें भविष्य में मौत का जाल साबित होंगी। माफिया न केवल जनता का पैसा लूट रहे हैं, बल्कि उनकी सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं।

प्यादों पर होती है कार्रवाई

कलेक्टर और एसपी के सख्ती के दावों के बीच यह अवैध उत्खनन शहडोल की कानून-व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है। प्रशासन केवल छोटे-मोटे ट्रैक्टर पकडक़र खानापूर्ति कर रहा है, जबकि इस धंधे के असली सफेदपोश मगरमच्छ आज भी आजाद घूम रहे हैं। जनता अब सीधे सवाल पूछ रही है कि आखिर कब तक नदियों का कत्लेआम होता रहेगा, क्या प्रशासन तब जागेगा जब नदियां पूरी तरह सूख जाएंगी या जब सडक़ों पर खून बहेगा?

लापरवाहों पर गिरेगी गाज, जिला पंचायत सीईओ ने सचिवों और जीआरएस को दी अंतिम चेतावनी

शहडोल। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की कछुआ चाल और जनसमस्याओं के प्रति उदासीनता पर जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। सोहागपुर जनपद सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में सीईओ ने स्पष्ट कर दिया कि जनता के काम में टालमटोल करने वाले कर्मचारियों के दिन अब लद चुके हैं। उन्होंने दो टूक कहा— काम में सुधार लाएं, वरना सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहें। बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सीईओ ने सचिवों, रोजगार सहायकों और इंजीनियरों की क्लास ली। उन्होंने निर्देशित किया कि पीएम आवास योजना के तहत अधूरे पड़े मकानों को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। गरीबों के हक में किसी भी तरह की देरी अक्षम्य होगी।

सीएम हेल्पलाइन पर सख्त रुख सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए सीईओ ने आदेश दिया कि अधिकारी केवल कागजी खानापूर्ति न करें, बल्कि सीधे शिकायतकर्ता से संवाद कर उनकी संतुष्टि के साथ प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ई-केवाईसी और अन्य विभागीय योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचना अनिवार्य है। इस सर्जिकल स्ट्राइक जैसी समीक्षा बैठक ने सोहागपुर जनपद में हडक़ंप मचा दिया है। बैठक में अतिरिक्त सीईओ मुद्रिका सिंह सहित ब्लॉक का पूरा अमला मौजूद रहा।

विश्वविद्यालय के रासेयो शिविर का शिविर दर्पण के साथ शंखनाद

शहडोल।

युवाओं में अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और डिजिटल क्रांति का अलख जगाने के लिए पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई ने अपने सात दिवसीय विशेष शिविर का धमाकेदार आगाज किया। मेरा युवा भारत एवं डिजिटल सशक्तिकरण के गंभीर विषय पर केंद्रित इस शिविर के उद्घाटन सत्र ने विद्यार्थियों को समाज सेवा के असली अर्थ समझाए।

शिविर दर्पण का विमोचन और नवाचार

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्वयंसेवकों द्वारा तैयार समाचार प्रतिवेदन शिविर दर्पण रहा, जिसका अतिथियों ने मंच से विमोचन किया। विश्वविद्यालय के इस नवाचार की चहुंओर प्रशंसा हो रही है। वोकल फॉर लोकल के संदेश को धरातल पर उतारते हुए स्वयंसेवकों ने अतिथियों को स्मृतिचिह्न और रासेयो बैच भेंट कर सम्मानित किया।

चार सदनों में छिड़ी रचनात्मक जंग

शिविर के पहले ही दिन स्वयंसेवकों को रेड, येलो, ग्रीन और ब्लू हाउस में विभाजित किया गया। इसके बाद शुरू हुआ सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रस्तुतियों का दौर, जिसमें गीत और नाटकों के जरिए प्रेरक संदेश दिए गए। पूरे परिसर में लक्ष्य गीत की गूंज के साथ इस बात का संकल्प लिया गया कि यह शिविर केवल सात दिनों का प्रवास नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का प्रशिक्षण केंद्र बनेगा। कार्यक्रम का संचालन श्रुति तिवारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन महिला इकाई अधिकारी डॉ. धानी जामोद द्वारा किया गया। इस दौरान प्रो. गीता सराफ, प्रो. चेतना सिंह, डॉ. मुनीश नेगी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक व स्वयंसेवक मौजूद रहे।

अवरोधों को कुचलकर लक्ष्य की ओर बढ़ें युवा

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रभारी कुलगुरु एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद पाण्डेय ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि यदि लक्ष्य बड़ा हो, तो छोटे-मोटे अवरोधों को नकारना सीखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि रासेयो केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की कार्यशाला है। कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी और भाजपा खेल मंडल उपाध्यक्ष गोपाल रत्नम ने भी युवाओं को सामाजिक भूमिका और डिजिटल सशक्तिकरण के महत्व से रूबरू कराया।

नशे में धुत्त चालक ने एनएच-43 पर पलटा दिया ट्रक

शहडोल।

नेशनल हाईवे-43 पर गुजरात से झारखंड की ओर जा रहा एक विशालकाय ट्रक डब्ल्यूबी 23 के 3449 कोटमा तिराहे के पास अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरा। यह महज एक हादसा नहीं, बल्कि कानून की धज्जियां उड़ाते हुए नशे की हालत में वाहन चलाने का नतीजा है। दुर्घटना के बाद जब डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची, तो हकीकत देखकर दंग रह गई। ट्रक चालक बिरजू कुमार यादव और उसका परिचालक इस कदर शराब के नशे में धुत थे कि उन्हें अपनी सुध तक नहीं थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक इतनी भारी मशीनरी को हाईवे पर लहराते हुए चला रहा था, जैसे वह कोई खिलौना हो। गनीमत रही कि ट्रक खाली स्थान पर पलटा; यदि यह घटना किसी भीड़भाड़ वाले बाजार या बस्ती में होती, तो आज कई परिवारों के चिराग बुझ चुके होते।

यह दुर्घटना शहडोल पुलिस और परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर तमाचा है। हाईवे पर सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय कर यह ट्रक यहां तक कैसे पहुंचा, रास्ते में पडऩे वाले चेकपोस्ट और पेट्रोलिंग टीमें क्या सिर्फ खानापूर्ति कर रही हैं? यह बेहद चिंताजनक है कि नशे में धुत्त यमदूत हाईवे पर खुलेआम दौड़ रहे हैं और सुरक्षा एजेंसियां गहरी नींद में सो रही हैं। आरक्षक अजीत सिंह चौहान और पायलट राजुल तिवारी ने घायलों को अस्पताल तो पहुँचाया, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि ऐसे अपराधियों को स्टीयरिंग तक पहुंचने ही क्यों दिया गया।

विधायक मनीषा सिंह का एक्शन अवतार

रमसोहरा खरीदी केंद्र में मिली अव्यवस्था तो भडकीं विधायक, कलेक्टर को फोन पर दिए सख्त निर्देश

शहडोल। किसानों के पसीने की कमाई पर सेंध लगाने वाले और खरीदी केंद्रों पर लापरवाही बरतने वाले प्रबंधकों की अब खैर नहीं है। जयसिंहनगर विधायक और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मनीषा सिंह ने शनिवार को धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। रमसोहरा केंद्र में जब किसानों ने अपनी समस्याओं का पुलिंदा विधायक के सामने रखा, तो उन्होंने बिना देर किए सीधे कलेक्टर को फोन लगाकर जिम्मेदारों की क्लास लगा दी।

ढोलर में राहत, रमसोहरा में आफत- विधायक मनीषा सिंह ने जब ढोलर और रमसोहरा केंद्रों पर दस्तक दी, तो दोनों जगहों की तस्वीरें जुदा थीं। जहाँ ढोलर में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, वहीं रमसोहरा केंद्र अव्यवस्थाओं का गढ़ बना नजर आया। किसानों ने विधायक को बताया कि उन्हें तौल से लेकर अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। विधायक ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए कर्मचारियों को फटकार लगाई और स्पष्ट लहजे में कहा खरीदी में पारदर्शिता लाएं, वरना परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

किसानों का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार- मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक मनीषा सिंह ने कड़े शब्दों में कहा कि डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार किसानों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने दो टूक चेतावनी दी कि अन्नदाता के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या असुविधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शहडोल में भगवान भी सुरक्षित नहीं, चोरों ने अब महादेव पर डाला हाथ, सदियों पुरानी शिवलिंग चोरी

शहडोल।

जिले में खाकी का खौफ इस कदर खत्म हो चुका है कि अब अपराधी घरों और दुकानों को छोड़ सीधे ईश्वर को ही निशाना बना रहे हैं। बुढार थाना क्षेत्र के ग्राम विक्रमपुर में चोरों ने एक ऐसी हिमाकत की है, जिसने न केवल पुलिसिया गश्त की पोल खोल दी है, बल्कि समूचे इलाके में भारी जनाक्रोश भडक़ा दिया है। यहां एक निजी परिसर के मंदिर से चोरों ने सदियों पुरानी और आस्था का केंद्र रही शिवलिंग ही पार कर दी।

पुलिस की सुस्ती ने बढ़ाया अपराधियों का दुस्साहस

यह पहली बार नहीं है जब शहडोल में मंदिर को निशाना बनाया गया हो। अभी कुछ दिन पहले ही कोतवाली क्षेत्र में भगवान के चांदी के जेवर चोरी हुए थे, जहाँ सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद भी पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। पुलिस की इसी लाचारी और पंगु कार्यप्रणाली ने चोरों को इतना पावरफुल बना दिया है कि अब उन्हें न सीसीटीवी का डर है और न ही कानून का।

भय और आक्रोश के साये में ग्रामीण

भगवान के घर से भगवान की ही चोरी होने के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण सन्नाटा है। बुढार पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन जनता का भरोसा डगमगा चुका है। सवाल यह है कि जब जिले के मंदिरों में भगवान ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा? क्या शहडोल पुलिस केवल एफआईआर दर्ज करने तक सीमित रहेगी या इन पापियों को सलाखों के पीछे भेजकर आस्था की पुनस्र्थापना करेगी?

पुरखों की विरासत पर चोरों का धावा

विक्रमपुर वार्ड क्रमांक 15 निवासी अविशेक दुबे के बाउंड्री परिसर में स्थित पुश्तैनी शिव मंदिर दशकों से ग्रामीणों की आस्था का केंद्र था। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर का गेट खुला क्या रहा, शातिर चोरों ने इसे अपनी अपराध का गलियारा बना लिया। रात के सन्नाटे में जब परिवार सो रहा था, तब बेखौफ चोरों ने मंदिर में प्रवेश किया और भगवान शिव की प्राचीन शिवलिंग उखाड़ ले गए। सुबह जब भक्त पूजा के लिए पहुंचे, तो वहां महादेव नहीं बल्कि सिर्फ खाली गर्भगृह बचा था।

केशवाही पंचायत में करोड़ों का खेल!

नल-जल से लेकर सड़क तक, हर योजना में घोटाले की बू

शहडोल।

जिले की ग्राम पंचायत केशवाही इन दिनों भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को लेकर सुर्खियों में है। नल-जल योजना समेत करोड़ों रुपये के विकास कार्यों में खुलेआम गड़बड़ी, फर्जी भुगतान और नियमों की धज्जियां उड़ाने के आरोपों ने पंचायत व्यवस्था की पोल खोल दी है। ग्रामीणों ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए सरपंच और सचिव पर सीधा हमला बोला है और धारा 40 के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की है।

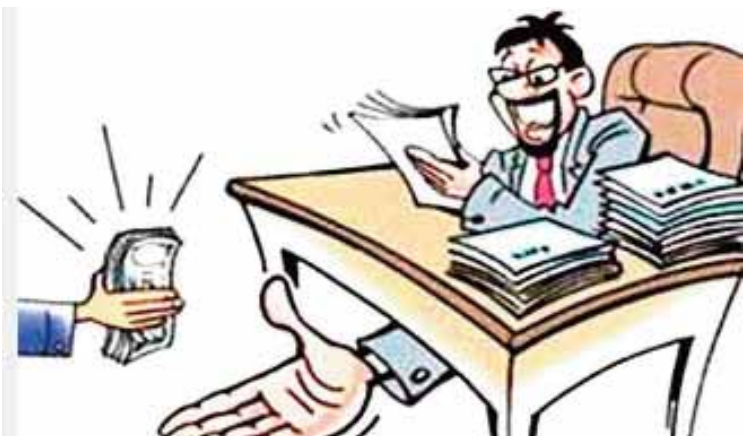

कागजों में पूरा, जमीन पर अधूरा

ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2019 में ग्राम पंचायत केशवाही को नल-जल योजना के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से करीब एक करोड़ उनचास लाख रुपये की स्वीकृति मिली थी। आरोप है कि ठेकेदार ने पाइपलाइन बिछाने का काम अधूरा छोड़ दिया, लेकिन इसके बावजूद सरपंच ने बिना पंच बैठक और ग्राम सभा की अनुमति के कार्य पूर्ण होने का प्रमाण पत्र जारी कर दिया। डीपीआर की शर्तों के मुताबिक सौ फीसदी काम पूरा होने के तीन माह बाद हैंडओवर और छह साल तक मेंटिनेंस की जिम्मेदारी तय थी, लेकिन इन नियमों को ताक पर रखकर भुगतान करा लिया गया। आरोप है कि 15 फरवरी 2024 को करीब 19 लाख 70 हजार रुपये का भुगतान फर्जी बिलों के आधार पर कर लिया गया। उनका कहना है कि यह सीधा-सीधा पंचायत अधिनियम की धारा 40 के अंतर्गत गंभीर अपराध है।

हर जगह गुणवत्ता से खिलवाड़

शिकायत में वार्ड नंबर तीन में बनी सीसी सडक़ का जिक्र भी है, जो महज छह महीने में ही उखड़ गई। यह सडक़ ननका के घर से कयूम के घर तक बनाई गई थी। पहले भी जनपद बुढ़ार की जांच टीम ने इस सडक़ में गड़बड़ी पाई थी और सरपंच से राशि वसूली के निर्देश दिए थे, लेकिन आज तक एक रुपया भी जमा नहीं हुआ। इसी तरह स्कूल ग्राउंड में बन रहा स्वच्छता परिसर भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। आरोप है कि बिना पंच बैठक और ग्राम सभा की मंजूरी के, तकनीकी स्वीकृति से अधिक 50 हजार रुपये के फर्जी बिल लगाकर राशि निकाल ली गई, जबकि निर्माण कार्य आज भी अधूरा है। स्ट्रीटलाइट के नाम पर भी बिना तकनीकी स्वीकृति 49 हजार रुपये निकालने का आरोप है।

रिश्तेदारों को लाभ, फर्जी मानदेय का खेल

सरपंच पर अपने रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के मुताबिक सरपंच ने बिना किसी वैधानिक अनुमोदन के अपनी पुत्री प्रतिक्षा सिंह के नाम पर 5 हजार रुपये का फर्जी बिल लगाकर भुगतान करा लिया। इसके अलावा 14 मार्च 2023 को नल-जल ऑपरेटर/लिपिक के मानदेय के नाम पर 3 हजार रुपये का फर्जी भुगतान किया गया। इस राशि की वसूली के लिए जिला पंचायत सीईओ ने आदेश भी दिए थे, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अन्य सामग्री खरीदी के नाम पर 43 हजार रुपये से अधिक का भुगतान भी नियमों को ताक पर रखकर किया गया, जिसे बाद में जिला पंचायत ने पत्र जारी कर फर्जी अंतरण बताया।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

शिकायतकर्ता का कहना है कि इतने स्पष्ट दस्तावेज, जांच रिपोर्ट और आदेशों के बावजूद दोषियों पर कार्रवाई न होना प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले शहडोल क्षेत्र में शेड्यूल एग्जाम, पेंट-कोट और ड्राई फ्रूट जैसे चर्चित मामलों में भी कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली गई थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि केशवाही पंचायत के इस मामले में भी लीपापोती की गई, तो वे लोकतांत्रिक तरीके से सडक़ पर उतरकर आंदोलन करेंगे। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक पंचायत नहीं, बल्कि पूरी पंचायत व्यवस्था की साख का सवाल है। मांग की गई है कि सभी सात बिंदुओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर धारा 40 के तहत कठोर कार्रवाई की जाए और गलत तरीके से निकाली गई एक-एक रुपये की वसूली तत्काल की जाए।

उमरिया में अतिथि शिक्षकों का महासंग्राम

सड़कों पर उतरा शिक्षक समुदाय, सरकार को दी खुली चुनौती

उमरिया

जब कलम पकडने वाले हाथ हक के लिए नारेबाजी पर उतर आएं, तो समझ लेना चाहिए कि पानी सिर से ऊपर जा चुका है। जिला मुख्यालय उमरिया में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहाँ अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के बैनर तले हजारों शिक्षकों ने आंदोलन का शंखनाद कर दिया। अपनी 18 वर्षों की तपस्या और सेवा के बदले मिल रही उपेक्षा से भडक़े अतिथि शिक्षकों ने स्थानीय सगरा मंदिर से कलेक्ट्रेट तक एक विशाल आक्रोश रैली निकाली, जिसने शहर के प्रमुख मार्गों को जाम कर दिया।

केबिनेट के फैसले से भडक़ी आग

रैली के दौरान शिक्षकों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट कहना था कि मध्य प्रदेश सरकार ने हाल ही में केबिनेट में तीन अलग-अलग कैडर बनाकर कर्मचारियों को तो साध लिया, लेकिन शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले अतिथि शिक्षकों को मझधार में छोड़ दिया। शिक्षकों ने दहाड़ते हुए कहा कि हम 18 साल से विभाग को अपना खून-पसीना दे रहे हैं, लेकिन सरकार हमें किसी भी कैडर का हिस्सा मानने को तैयार नहीं है। यह हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं, तो और क्या है?

हरियाणा और छत्तीसगढ़ मॉडल की गूंज

तहसीलदार के माध्यम से महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को भेजे गए ज्ञापन में अतिथि शिक्षकों ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। उनकी प्रमुख माँगें सरकार की नींद उड़ाने वाली हैं, सेवाकाल को 12 महीने सुनिश्चित कर 62 वर्ष तक के लिए भविष्य सुरक्षित किया जाए। 2019 के हरियाणा अतिथि शिक्षक विधेयक की तर्ज पर मध्य प्रदेश में भी नीति बने। केबिनेट के नए प्रस्ताव के तहत अतिथि शिक्षकों को अविलंब संविदा कैडर में शामिल किया जाए। 2 सितंबर 2023 की घोषणा के अनुसार, प्रति वर्ष 4 अंक (अधिकतम 20 अंक) बोनस देकर शिक्षक भर्ती की मेरिट सूची में जोड़ा जाए।

वादा निभाओ मुख्यमंत्री जी

प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उनके 2018 के उस पत्र की याद दिलाई, जिसमें उन्होंने अतिथि शिक्षकों को संविदा शिक्षक बनाने की वकालत की थी। शिक्षकों ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि उन्हें संविदा कैडर में शामिल कर विभागीय परीक्षा के माध्यम से नियमित नहीं किया गया, तो यह आंदोलन केवल उमरिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे प्रदेश में सत्ता की चूलें हिला देगा।

अंधकार में भविष्य, आक्रोश में शिक्षक

कलेक्टर परिसर के सामने घंटों चले प्रदर्शन में जिले भर के हजारों अतिथि शिक्षक शामिल हुए। उन्होंने साफ कर दिया कि अब वे केवल आश्वासनों का झुनझुना लेकर वापस नहीं जाएंगे। वर्तमान में सेवा से बाहर किए गए शिक्षकों को तत्काल रिक्त पदों पर समायोजित करने की मांग ने इस आंदोलन को और भी उग्र बना दिया है।

फसलों पर पाले की सर्जिकल स्ट्राइक का खतरा

उमरिया। कड़ाके की ठंड और ओस की बूंदों के बीच उमरिया की फसलों पर पाले का साया मंडरा रहा है। कृषि विभाग ने अब डिफेंस मोड छोडक़र अटैक मोड में आने की चेतावनी जारी की है। उप संचालक कृषि ने दो टूक कहा है कि अगर किसान अपनी मेहनत को बर्फीली मौत से बचाना चाहते हैं, तो उन्हें खेतों की मेड़ पर मोर्चा संभालना होगा।

खेतों में जलाएं धुआं, बुझाएं पाले की आग

विभाग ने सलाह दी है कि रात के अंधेरे में जब तापमान गिरे, तो खेतों के किनारे गीली घास और पराली जलाकर धुआं करें। यह धुआं फसल के लिए सुरक्षा कवच बनेगा और पत्तियों पर जमने वाली मौत की सफेद परत (बर्फ) को रोक देगा। साथ ही, हल्की सिंचाई का चक्र चलाएं ताकि मिट्टी का तापमान बना रहे।

सल्फर का इंजेक्शन और बीमा की ढाल

फसलों की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सल्फर का छिडक़ाव किसी लाइफ-सेविंग ड्रग से कम नहीं है। कृषि अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि केवल मौसम के भरोसे न रहें, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का कवच पहनें। जोखिम केवल आसमान से नहीं, लापरवाही से भी है। मल्चिंग और पॉलीथिन शीट का उपयोग करें ताकि संवेदनशील पौधों को गर्मी मिल सके। उमरिया के किसानों के लिए संदेश साफ है, जागते रहो और बचा लो अपनी फसल, मौसम विभाग की चेतावनियों को नजरअंदाज करना आपकी साल भर की कमाई पर पानी फेर सकता है।

उपार्जित धान के भण्डारण, परिवहन के संबंध में मिलर के साथ बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रभारी कलेक्टर एंव जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी की अध्यक्षता में वर्ष 2025-26 कि मिलिंग के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मे जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते, नागरिक आपूर्ति निगम की जिला प्रबंधक श्रीमती प्रियंका पठारिया, अरबिंद सिंह, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं सभी मिलर उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित मिलरों से मिलिंग अनुबंध करने के संबंध में चर्चा की गई, जिसमें मिलरों के द्वारा वर्ष 2025-26 की अपग्रेडेशन राशि एवं विगत वर्ष 2024-25 कि मिलिंग राशि प्राप्त न होने के संबंध में अवगत कराया। प्रभारी कलेक्टर द्वारा उपार्जित धान के भण्डारण कमी को देखते हुए जिले की मिलों में उपलब्ध रिक्त गोदामों में भण्डारण के साथ-साथ अन्तर जिला परिवहन कराने हेतु निर्देशित किया

बांधवगढ़ में देशी स्वाद का सर्जिकल

विदेशी सैलानियों पर चढ़ा मिलेट्स का जादू , समूहों की बढ़ी ताकत

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में इन दिनों बाघों की दहाड़ से ज्यादा ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं के हुनर की गूँज सुनाई दे रही है। ताला में आयोजित मिलेट्स मेला ने आधुनिक फास्ट फूड को कड़ा जवाब देते हुए सैलानियों के बीच तहलका मचा दिया है। पार्क भ्रमण पर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक यहाँ के पारंपरिक मिलेट्स (मोटे अनाज) व्यंजनों के मुरीद हो गए हैं।

इस मेले का सीधा हमला उन धारणाओं पर है जो देशी खान-पान को कमतर मानती थीं। ताला की गलियों में सजे इन स्टालों ने अब तक 36,980 रुपये का भारी-भरकम व्यापार कर यह साबित कर दिया है कि अगर लोकल परंपरा को सही मंच मिले, तो वह किसी भी ब्रांड को पछाड़ सकती है। आजीविका मिशन का यह आक्रामक कदम न केवल पर्यटकों को मिट्टी की महक से जोड़ रहा है, बल्कि बिचौलियों के बिना महिलाओं की आय में सीधी बढ़ोत्तरी कर उन्हें आर्थिक रूप से टाइगर की तरह शक्तिशाली बना रहा है।

नियम को ताक में रख मालवाहक वाहन ढो रहे सवारी

यातायात, परिवहन व पुलिस बिभाग के कार्यप्रणाली में उठ रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

मालवाहक वाहनों में सवारी ढोई जा रही है। जिसके कारण दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। खासतौर पर ग्रामीण अंचलों में यह समस्या सबसे अधिक देखने को मिलती है। बावजूद इसके मालवाहक वाहनों पर किसी भी तरह की यातायात विभाग के द्वारा कार्यवाही नहीं की जा रही है। पूर्व में करीब दर्जन भर से अधिक घटनाएं हो चुकी है, जिसमें लोगों की मौत भी हो चुकी है। नगर सहित ग्रामीण एवं कोयलांचल क्षेत्र में मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने का कार्य रोजाना किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ग्रामीण अंचलों में आवागमन के साधन कम होने के कारण मालवाहक वाहनों से सवारियां ढोने का कार्य किया जाता है।

क्षेत्र में ठेकेदारों द्वारा मजदूरों को काम पर लाने ले जाने के लिए मालवाहक वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। जिसमें क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर ले जाया जाता है। ऐसे में कभी भी घटना हो सकती है। मोटर व्हीकल एक्ट में साफ तौर पर मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोने पर पाबंदी है। हादसे होने की स्थिति में अपनी जान गंवाने वाले तथा घायल होने वाले लोगों को मुआवजे का भी प्रावधान नहीं है। बावजूद इसके ऐसे मालवाहक वाहनों पर कार्यवाही नहीं हो पा रही है। पूर्व में नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में माल वाहक वाहनों में बारात ढोई जा रही थी जिसके कारण कई दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। बावजूद इसके प्रशासन इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। जिसके कारण इनके हौसले बुलंद हैं।

कृषि कार्यों के नाम पर क्रय किए गए वाहनों का होता है उपयोग

कृषि कार्यों के नाम से खरीदे गए वाहनों का सवारी गाडिय़ों की तरह इस्तेमाल हो रहा है। ट्रैक्टर, मेटाडोर, पिकअप जैसे अन्य वाहनों में सवारी ढोई जा रही है। शादी, पिकनिक व अन्य कामकाज में वाहन का उपयोग किया जाता है। यातायात विभाग एवं परिवहन विभाग के कर्मचारी ऐसे वाहनों को रोककर उनकी चेकिंग नहीं करते है।

रुपए के लालच में ले रहे जोखिम

माल वाहक मालिक और चालक रुपए के लालच में ग्रामीणों की जान को जोखिम में डाल रहे हैं। ऐसे वाहनों पर कार्यवाही नहीं होने से उनके हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं। लगातार सड़क हादसे होने के बाद भी मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोई जा रही है। लेकिन यातायात विभाग क्यों ऐसे वाहनों पर कार्यवाही नही कर रही है यह जनचर्चा का विषय बना हुआ है।

हाईवे क्रमांक 43 पर कई स्थान बना डेंजर पॉइंट

पान की गुमटी, ढाबा, गैरेज व पंचर दुकान में लगता है वाहनों का जमाबड़ा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा नगर से होकर गुजरने वाली नेशनल हाईवे क्रमांक 43 पर कई स्थान डेंजर पॉइंट बन चुके हैं खासकर मोड वाले स्थान पर दोनों ओर खड़े वाहनों की ओर से सामने की सड़क दिखाई नहीं देती जो हादसे को आमंत्रण देते रहते हैं। कई बार हादसे भी हो चुके हैं इसके बाद भी संबंधित विभाग द्वारा आवागमन की सुगमता तथा सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी की जा रही है। नगर के फॉरेस्ट डिपो के पास से बुढानपुर चौराहा, केशवाही चौराहा, गोहंड्रा चौराहा, बसखली चौराहा तक करीब 5 किलोमीटर के दायरे में यात्रा करना सबसे मुश्किल भरा होता है। कई वाहन केशवाही चौराहा में पान की गुमटी, ढाबा एवं गैरेज, पंचर दुकान के आसपास वाहनों का जमाबड़ा होता है सड़क किनारे ही कई गैरेज संचालित है जहां वाहनों को लगभग सड़क पर ही खड़ा करके रखा जाता है

चौराहे पर ही सड़क किनारे पान चाय की गुमटी स्थित होने के कारण चौराहे के किनारे ही मोड पर बड़े वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है वाहन ऐसे खड़े रहते हैं जिससे मोड़ के कुछ आगे की सड़क नहीं दिखती ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों के टकराने का अंदेशा बना रहता है। केशवाही चौराहा में आए दिन सड़क दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है सड़क दुर्घटना में कई लोग काल के गाल में समा गए हैं अभी हाल ही में 14 पहिया का केशवाही चौराहे में ही स्कूटी वाहन से टकराकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे विद्युत के लोहे के पोल से टकराकर पलट गई थी।

बुढानपुर चौराहे में कार एवं दो पहिया वाहन की टक्कर होने के कारण फिल्मी स्टाइल में कार हवा मे उड़ती हुई लगभग 50 मीटर दूर खेत पर जा गिरी थी टक्कर के कारण एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई थी यही हाल बसखली चौराहा का भी है जहां सड़क के किनारे मोड पर खड़े बड़े वाहनों के कारण सड़क नजर ही नहीं आती है जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर खींची गई संकेतक लाइन भी गायब हो गई है जिसके कारण रात का सफर मुश्किल भरा हो जाता है बीच की पट्टी धुंधली होने के कारण मिटने लगी है किनारो की पट्टी तो लगभग गायब ही हो चुकी है कुल मिलाकर हाईवे प्रबंधन द्वारा सड़क के रखरखाव व सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके कारण इस मार्ग से खतरों भरा साबित होता जा रहा है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के संबंध में भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने की वर्चुअल समीक्षा

योजना के क्रियान्वयन संबंधी अधिकारियों को दिए गए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के संबंध में वर्चुअल समीक्षा बैठक भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय के संयुक्त सचिव शशांक मिश्रा द्वारा ली गई। वर्चुअल बैठक में प्रभारी कलेक्टर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, उपसंचालक कृषि, उपसंचालक पशु चिकित्सा, मत्स्य निरीक्षक, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला कार्यक्रम प्रबंधन राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री, आईटीआई अनूपपुर के प्राचार्य, एबीपी फेलो सहित अन्य सर्व संबंधित उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में जिन विभागीय योजनाओं में लक्ष्य का निर्धारण किया गया है उनकी स्थानीय मांग अनुसार लक्ष्य बनाने की आवश्यकता, ऐसी योजनाओं में लक्ष्य वृद्धि के निर्देश दिए गए। बैठक में विभागीय योजनाओं के स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन किए जाने पर समस्या उत्पन्न होने एवं लक्ष्य की प्रगति उत्पादकता कम होने के कारणों का नैदानिक विश्लेषण ताकि अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक उपायों की पहचान की जा सके और हस्तक्षेपों को चल रही योजनाओं से जोड़ा जा सके। फसल कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे की कमियों की पहचान करना, जिसमें गोदाम, पकने वाले कक्ष, बाजार यार्ड आदि शामिल हैं। कोल्ड स्टोरेज, रेफ्रिजरेटेड वैन आदि सहित कोल्ड चेन की कमियों की पहचान करने मत्स्य पालन और दुग्ध उत्पादन की औसत उत्पादकता और किसी भी कमी के कारण जिले के सामान्य मृदा स्वास्थ्य मानचित्र, जिसमें प्रमुख पोषक तत्वों की कमी,जिले में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों में बागवानी बीज/पौध सामग्री की उपलब्धता में विशिष्ट क्षेत्रीय अंतर साथ ही नवीनतम जलवायु प्रतिरोधी बीज प्राधिकरण की उपलब्धता में अंतर, जिले में ऋण जमा अनुपात और प्राथमिकता क्षेत्र ऋण का स्तर और जिले की ऋण योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति में कमी के कारण, प्राकृतिक आपदाओं, फसलों के कीटों और रोगों तथा पशुधन के रोगों आदि के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने, कृषि विज्ञान केन्द्र अमरकंटक में पदस्थ डॉ. योगेश कुमार वैज्ञानिक प्रत्येक गुरुवार को कार्यालय जिला पंचायत अनूपपुर में उपस्थित होकर सहायक संचालक कृषि से समन्वय स्थापित किया जाकर प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के घटको के तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने, एवं जिला पंचायत मे रिपोर्ट प्रस्तुत के संबंध में निर्देशित किया गया।

प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत, कांग्रेस में हुआ नयी ऊर्जा का संचार

संगठन सृजन के तहत नव नियुक्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर रवि मिश्रा की ताजपोशी और प्रथम नगर आगमन पर आज उनका भव्य स्वागत किया गया। विदित होवे की आज रवि मिश्रा भोपाल से चलकर दोपहर 12 बजे बिरसिंहपुर पाली पहुंचते ही नगर प्रवेश करते ही सांई मंदिर चौराहे पर एकत्रित हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैण्ड बाजों, के साथ रवि मिश्रा का स्वागत किया।

बिरसिंहपुर पाली

सर्व प्रथम कांग्रेस नेताओं ने अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात ब्लाक अध्यक्ष और अतिथियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया वहा से जुलुस की शक्ल में काग्रेस जन नगर में विराजित शक्ति पीढ बिरासनी माता के दरबार में पहुँच कर पूजा आराधना की गयी। इसके पश्चात नगर के हृदय स्थल प्रकाश चौराहे पर यह स्वागत कार्यक्रम आम सभा में तब्दील हो गयी, जहाँ पर राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी और सावित्री बाई फूले की छाया चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर और माल्यार्पण कर सादर नमन किया गया।कार्यक्रम की अगली कड़ी में अतिथियों और नव निर्वाचित ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष का माल्यार्पण किया गया। स्वागत भाषण सनू उपाध्याय ने व्यक्त करते हुए कहा की कांग्रेस ने ब्लाक अध्यक्ष की जिम्मेदारी ऊर्जा वान युवक के हाथ में सौपकर सराहनीय कार्य किया है। रवि मिश्रा को मिली महती भूमिका से काग्रेंस में एक नयी ऊर्जा का संचार हुआ है, अब आने वाले दिनों में इसके सुखद परिणाम भी देखने को मिलेगें। आगे आपने महा

विद्यालय में अब तक वाणिज्य संकाय शुरू न होने, और कन्या उच्चतर विद्यालय के लिए बस सुविधा उपलब्ध न होने की समस्याओ को प्रमुखता से उठाया।जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष अम्बूज सिंह ने अपने उदबोधन में क्षेत्र की समस्याओं को रेखांकित करते हुए कहा की समय रहते अगर समस्याओं का निदान नहीं किया गया तो कांग्रेस जन आंदोलन छेडेगा।विक्रम प्रताप सिंह युवा काग्रेस प्रदेश सचिव ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा की कांग्रेस की रीति नीति ही सदैव संघर्ष की रही है। आजादी की लड़ाई कांग्रेस ने ही लडी थी, आज भी भाजपा के कुशासन से लेकर सडक से लेकर संसद तक लड रही है, लेकिन आम जनो के साथ जो छलावा हो रहा है और वह जनता आज मूक बन कर तमाशा देख रही है। जरूरत है कि जनता दीर्घ काल को देखते हुए कांग्रेस के साथ चले तो अराजकता से मुक्ति मिल सकेंगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जानकी प्रसाद मिश्रा ने इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए कहा की आज एक लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस की शक्ति आज दिखाई दे रही है , कांग्रेस ने जिस तरह युवा के ऊपर जिस तरह भरोसा जताया है, वह उस पर खरा सोना साबित होगा। वर्तमान में पिछले पांच बर्षीय से प्रदेश में भाजपा की सरकार है, और भाजपा के विधायक लगातार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं लेकिन क्षेत्र का विकास जिस तरह होना चाहिए वह नहीं हुआ। क्षेत्र में जो विकास दिखाई दे रहा है वह कांग्रेस की देन है, वह चाहे संजय गाँधी ताप परियोजना हो याकि कोयला खदान हो सब उसी काल की है। कांग्रेस समर्थित इंटक श्रमिक संघ के केन्द्रीय सचिव प्रीतम पाठक ने बतलाया की पाली विकास खंड में दस कोयला खदान खुलने जा रही है उनमें से नौ कोयला खदान निजी हाथों में सौप दी गई है सिर्फ एक खदान कोल इंडिया को मिली है, जिससे स्थानीय कामगारों और बेरोजगारों में व्यापक निराशा छायी हुई है। आपने उदबोधन में कहा की देश का दुर्भाग्य है कि सभी उद्योग आज निजी हाथों में सौपने के कारण बेरोजगारी विकराल समस्या बन गयी है। सिंगरौली की समस्या को रेखांकित करते हुए आपने कहा की लाखों वृक्षों की बलि चढा कर खदान अडानी जी को सौंप दिया गया,लगातार वृक्षों की कटाई से प्रदूषण, जलवायु की समस्या उत्पन्न होने से जीवन संकट मय हो गया है।कांग्रेस जिला संगठन सचिव पुष्पराज सिंह ने कहा की आज देश में मध्यम वर्गीय परिवारों की हालात अत्यंत नाजुक बनी हुई है। आज देश में मोदी जी के नजर में दो वर्ग है अमीर या की गरीब। मध्यम वर्ग के उत्थान के लिए कोई नीति नहीं, कोई योजना नहीं रह गई। आपने रतलाम, छिंदवाड़ा, और इंदौर की घटनाओं का जिक्र करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री पर असंवेदनशीलता के तीखे आरोप लगाये।सजीव खण्डेलवाल ने आम सभा को संबोधित करते हुए कहा की क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री दो बार बिरसिंहपुर पाली के दौरे पर आये और क्षेत्र के विकास के लिए एक फूटी कौड़ी नहीं दी। नगर पालिका से लेकर दिल्ली तक भाजपा सत्तासीन है, लेकिन क्षेत्र की जो दुर्दशा से आप सब वाकिफ है। बन्नौदा में सी एम राइज विद्यालय बनना था, वहा से बदल कर बरबसपुर लाया गया वहा भी आज तक भूमि पूजन नहीं हुआ। कांग्रेस के उमरिया जिले के प्रभारी नीरज बघेल ने संबोधित करते हुए कहा की भाजपा देश में डरा कर राज कर रही है। एक करोड़ लोगों को बीस लाख लोगों का भय दिखा कर बोट ले लेती है। वह रंग से जाति से भय फैला रही है। कांग्रेस देश के सभी वर्गों को लेकर चलती है और सामाजिक सद्भाव ही उसकी ताकत है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष इंजी विजय कोल ने प्रदेश सरकार की असंवेदनशीलता के मुद्दे पर आडे हाथ लेते हुए कहा की भाजपा की सरकार हर मोर्चे पर असफल हैं, कानून व्यवस्था की लचर कार्य प्रणाली के कारण निर्दोष लोग काल कलवित हो रहें हैं और भाजपा मदमस्त होकर राज कर रही है।अंत में आभार प्रदर्शन नव निर्वाचित रवि मिश्रा ने करते हुए कहा की कांग्रेस ने जिस भरोसे से कमान सौंपी है उसमें खरा उतरने की कोशिश करूँगा। मेरा प्रयास होगा की वरिष्ठों का मार्गदर्शन और सहयोग से कांग्रेस एक बार अपने खोये हुए गौरव को हासिल करने में सफल होंगी। कार्यक्रम में हजारों लोगों की उपस्थिति ने कांग्रेस में उत्साह भर दिया।

खबर संक्षेप

ब्यौहारी में खड़े वाहनों से हो रही डीजल चोरी

ब्यौहारी-नगर परिषद के अंतर्गत नए बस स्टैंड के पास पोड़ी तिराहा में होटल के पास खड़े वाहनों से डीजल निकाल लिया जाता है प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश के निवासी ड्राइवर अतुल पटेल ने बताया कि मैं अपनी गाडी यूपी 70 केटी 8267 दिनांक 02/01/26 को कबाड़ लोड करने शहडोल जा रहा हूं खाना खाकर के रात में मैं सो गया सुबह उठा तो मेरे ट्रक के टंकी का लॉक टूटा हुआ था और टंकी में से लगभग 40 लीटर डीजल निकाल लिया गया 4000 का ट्रक संचालक का नुकसान हुआ पोंडी मानपुर तिराहा के पास स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि यहां पर पहले दुकान खुली रहती थी तो इस तरह की चोरी की घटनाएं नहीं होती थी लेकिन कुछ दिनों से पुलिस द्वारा रात को 11:00 बजे दुकान बंद करा दी जाती है और लाइट भी नहीं जलाने दी जाती जिससे अपराधी हम लोगों के साथ भी कोई वारदात कर सकते हैं पहले इस तरह की घटनाएं नहीं होती थी पुलिस द्वारा सही ढंग से पेट्रोलिंग नहीं की जा रही है जिसके कारण से डीजल चोर गिरोह गैंग व्यवहारी के अलावा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मऊ से भी डीजल निकल रहा है मऊ के लोगों ने भी बताया कि यहां भी खड़े वाहनों से डीजल निकाला जा रहा है हालांकि ड्राइवर द्वारा थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई हैं नए थाना प्रभारी पर द्वारा अपराध पर अंकुश लगाया गया है कई घटनाओं का खुलासा भी किया गया है रसपुर से अवैध खनन पर भी लगाम लगी है वाहन संचालकों का कहना है कि खड़ी वाहनों से डीजल चोरी करने वाले गैंग के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए।

ब्योहारी में आज सुबह से कोहरा व धुंध छाया रहा दो बजे दोपहर तक

ब्योहारी। ब्योहारी क्षेत्र आज सुबह से ही कोहरा व दोपहर दो बजे तक धुंध छाया रहा है और हड्डी कंपा देने वाली ठंड से राहत के लिए लोग अपने अपने घरों के अन्दर कोयला से सिंगरी में हाथ पैर सेंक ठण्डी को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं फिर भी तापमान लगातार बढ़ रहा है और समाचार लिखे जाने तक सूर्य नारायण के दर्शन नहीं हुए हैं इस तरह बचनें के लिए सार्वजनिक स्थानों आज अलाव जलनें कि जरूरत है जैसे रेल्वे स्टेशन, रेल्वे तिराहा, बस स्टैंड,वनसुकली चौराहा, चुंकी नाका व टंकी तिराहा साथ सिविल अस्पताल ब्योहारी में अलाव जलनें कि जरूरत है और भी कई स्थानों पर आज जैसे ठण्डी में अलाव जलनें चाहिए ठण्डी मौसम का आज दिन सबसे ठंडा था और रात का तापमान और भी गिर सकता है ग्रामीण क्षेत्रों में तो ओस घासों जमीं होने कि चर्चा थी।

पौषी पूर्णिमा पर भक्त श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में पौष माह की पावन पूर्णिमा के शुभ अवसर पर धार्मिक आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त श्रद्धालु, तीर्थ यात्री एवं दर्शनार्थी मां नर्मदा जी के पावन तट पर पहुंचे और पुण्य लाभ हेतु रामघाट, कोटि तीर्थ घाट एवं कुंडों में आस्था की डुबकी लगाकर स्नान किया। प्रातःकाल से ही मां नर्मदा जी के पवित्र रामघाट के दोनों तटों पर स्नानार्थियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। श्रद्धालुओं द्वारा स्नान-डुबकी का क्रम सुबह से प्रारंभ होकर दोपहर तक अनवरत चलता रहा। स्नान उपरांत भक्तों ने मां नर्मदा जी के उद्गम स्थल मंदिर में पहुंचकर पूरे विधि-विधान एवं श्रद्धा भाव से पूजन-अर्चन किया तथा दर्शन कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। पौषी पूर्णिमा के पावन अवसर पर अमरकंटक का संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा और अध्यात्म से सराबोर हो उठा। मां नर्मदा के जयकारों और मंत्रोच्चार से घाट एवं मंदिर परिसर गूंजायमान रहा। देश के विभिन्न हिस्सों से आए श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों ने भी इस पुण्य अवसर का लाभ लिया। पौषी पूर्णिमा के साथ छत्तीसगढ़ प्रांत एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों में मनाए जाने वाले परंपरागत छेरछेरा पुन्नी पर्व का उल्लास भी अमरकंटक में देखने को मिला।

संस्कार, अनुशासन और खेल भावना का महाकुंभः धनपुरी गोल्ड कप, खिलाड़ियों में भरा जोश और जुनून

बुढार। सुभाष स्टेडियम धनपुरी में नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी खेल प्रेमियों को नई सौगात देते हुए अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट–2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। नववर्ष के पहले दिन 1 जनवरी 2026 से सुभाष स्टेडियम क्रमांक–3 में प्रारंभ हुआ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट लगातार 11 दिनों तक चलेगा। आयोजन समिति द्वारा प्रतिदिन दो रोमांचक मुकाबले कराए जा रहे हैं, जबकि दर्शकों के लिए नगर पालिका द्वारा बैठने, सुरक्षा और सुविधाओं की शानदार व्यवस्थाएं की गई हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा, उपाध्यक्ष हनुमान प्रसाद खंडेलवाल, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबड़ा, सभापति आनंद कचेर, नेता प्रतिपक्ष शोभाराम पटेल सहित नगर पालिका के समस्त अधिकारी-कर्मचारी पूरे समय मैदान में उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बना रहे हैं, यह उल्लेखनीय है कि शहडोल संभाग में इस स्तर का फुटबॉल आयोजन अब तक कहीं देखने को नहीं मिला, जिसके चलते धनपुरी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है और आयोजन की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। आज का पहला मुकाबला कश्मीर और चरचा क्लब (छत्तीसगढ़) के बीच खेला गया, मैच प्रारंभ होने से पूर्व खिलाड़ियों का अतिथियों से परिचय कराया गया।

झिरिया टोला में गुणवत्ता विहीन डामरीकृत सड़क का हो रहा निर्माण, नागरिकों ने जताया विरोध

शहडोल।

जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत झिरिया टोला ब्लांक जयसिंहनगर मध्य प्रदेश में जन-मन योजना से बैगा बस्ती में 800 मीटर स्वीकृत सड़क के निमार्ण में लापरवाही बरती जा रही है।

ग्राम सड़क योजना लागात लगभग 1 करोड़ 26 हजार का निर्माण किया जा रहा है जिसका कार्य गुल्लू गोयल व्यौहारी व रोहित वर्मा शहडोल के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है निर्माण कार्य में कमी स्वीकृत लंबाई 800 मीटर है जिसमें 700 मी बनाया जा रहा है जहां मिट्टी डालना था वहां नहीं डाला गया है मोड एवं तिराहे में बहुत ज्यादा चढ़ाई है जिससे छोटी बडे वाहन सड़क पर नहीं चढ़ पाते हैं घटना होने की पूरी संभावना बनी रहती है।

नियम विपरीत हो रहा निर्माण

रोड को एक तरफ छोटा तो एक तरफ गहरा निर्माण कराया जा रहा है जिससे रोड कट गई है बारिश के पानी से दीवाल बनाना स्वीकृत है लेकिन नहीं बनाया जा रहा है। यदि निमार्ण लापरवाही पूर्वक बन गया तो राहगीरों को चलने में परेशानी होगी वहीं दूसरी तरफ उक्त स्थान होते हुए भी टेढ़ी-मेढ़ी रोड बनाया गया है। सड़क निर्माण में उपयोग किया जा रहा डामर बिल्कुल घटिया किस्म का डाला गया है 1 इंच से पतला पड़ा है रोलर नहीं चलाया गया है।

प्रशासन ध्यान दें

ग्राम पंचायत झिरिया टोला में डामरीकृत सड़क का निर्माण ठेकेदार के द्वारा मनमाने ढंग से किया जा रहा यदि मौके पर प्रशासन जाकर निरीक्षण करें तो सड़क निर्माण की पोल खुल सकती है।

पेट्रोल पंप में हेलमेट अनिवार्य फिर भी आदेश नजरअंदाज

सड़कों से पूरी तरह गायब हुआ हेलमेट अभियान

सरकारी विभागों में भी हेलमेट अभियान का असर बेअसर

जिम्मेदार ही उड़ा रहे अभियान की धज्जियां

जिले के लोग हेलमेट सुरक्षा के लिए नहीं बल्कि ट्रैफिक पुलिस के डर से पहनते हैं। पुलिस का डंडा जैसे ही चलना बंद हो जाता है, लोगों के सिर से हेलमेट गायब हो जाता है। दूसरी ओर हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद जिले की पुलिस इस मामले मे तेजी नही ला पाई है, जिस कारण जिले मे हेलमेट अभियान सिर्फ दिखावा तक ही सीमित होकर रह गया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

दो पहिया वाहन का सफर सुरक्षित बनाने के लिए हेलमेट अनिवार्य किया गया है। पहले पुलिस ने वाहनों की जांच अभियान चलाया अब कई दूसरी गतिविधियों से भी हेलमेट को जोड़कर इसे वाहन चालकों की आदत में शुमार करने की कोशिश की गई जिसमे निर्देश दिया गया कि पेट्रोल पंप में दो पहिया वाहन चालकों को तभी सेवा मिलेगी जबकि हेलमेट पहने हो। यह सूचना पेट्रोल पंप बाहर लग तो गई लेकिन इसका पालन होता दिखाई नहीं दे रहा है। दरअसल हाई कोर्ट के निर्देश पर हेलमेट को लेकर अभियान शुरू हुआ। पुलिस ने जगह-जगह नाकेबंदी कर बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को पकड़ा उन्हें समझाइश दी। फिर चालानी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। पेट्रोल पंप में हेलमेट को अनिवार्य बनाया गया, बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं भरने की सूचना के बावजूद कई ग्राहक हेलमेट के बगैर ही पंप में पेट्रोल डलवाने पहुंच रहे हैं जिन्हें पेट्रोल भी दिया जा रहा है।

जान से खिलवाड़

शहर में पुलिस ने जगह-जगह बैरीकेट्स लगाकर दो पहिया वाहनों की जांच का अभियान चलाया। महिलाओं और युवतियों को भी पुलिस ने रोककर चालान बनाया। हर किसी को हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया वही लोग जानते हैं कि बिना हेलमेट के वाहन चलाना खतरों से कम नही है। बावजूद इसके हेलमेट पर हीला हवाली कर रहे है जो एक तरह से खुद के जान से खिलवाड़ करने की तरह है।

सरकारी विभागों में हेलमेट अभियान का असर बेअसर

सरकारी विभागों में भी हेलमेट अभियान का असर नहीं नजर आ रहा है। विभागों मे कर्मचारी दो पहिया वाहन लेकर पहुंचते हैं लेकिन हेलमेट का उपयोग नहीं करते हैं जबकि कुछ विभागों ने बाकायदा कर्मियों को हेलमेट पहनकर आने के निर्देश दिए हुए है। इसके बावजूद इस आदेश की नाफरमानी की जा रही है। हेलमेट को लेकर किसी तरह की रोकटोक नहीं की जा रही है। यातायात विभाग ने कई अन्य विभागों से भी कर्मचारियों को नियमों का पालन करवाने के लिए कहा है। इस संबंध में जिले के कलेक्टर ने पूर्व में निर्देश दिया था कि सभी विभागों के प्रमुख अपने-अपने अधीनस्थों को दोपहिया वाहन से आने वाले कर्मियों को हेलमेट लगाकर आना सुनिश्चित करें।

सड़कों पर भी नही दिख रहा असर

बाइक सवारों को हेलमेट पहनाने के लिए पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान का असर सड़कों पर दिखाई नहीं पड़ रहा है। इस अभियान को मूर्त रूप देने के लिए पुलिस महकमे ने सख्त फरमान जारी किया था, इसके बाद भी सवारों पर इसका कोई असर नहीं। जबकि पुलिस विभाग ने सड़क हादसों में मौत के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए मातहतों को निर्देश दिया था कि बिना हेलमेट के चलने वाले बाइक सवारों के खिलाफ कार्रवाई करें। एकाध दिन कुछ थानों पर चेकिंग कर हेलमेट न पहन कर चलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई हुई लेकिन यह कारगर नहीं हो सकी। इसके बाद मामला ठण्डे बस्ते में पड़ गया। इस क्रम में बाइक पर पीछे बैठने वालों के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया था। उन्होंने इसके लिए सबसे पहले विभाग के लोगों को हेलमेट पहनने का फरमान जारी किया था। यह सारे आदेश व निर्देश धरातल पर कहीं भी दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। खुलेआम वाहन चालक बिना हेलमेट के तेजी से गाड़ी के साथ निकल जा रहे हैं और पुलिस सब कुछ देखते हुए भी मूकदर्शक बनी रहती है।

जिम्मेदार ही उड़ा रहे अभियान की धज्जियां

एक तरफ ट्रैफिक पुलिस शहर की सड़कों पर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाती है। हेलमेट नहीं पहनने पर चालान काटने की कार्रवाई करती है, वहीं पुलिसकर्मी दिनभर शहर की सड़कों पर ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस बिना हेलमेट के वाहन चलाते दिख रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि दूसरों को नियम सिखाने वाले ट्रेफिक पुलिस खुद नियमों का पालन कितनी ईमानदारी से करते है, इसका अंदाजा सहज रूप से लगाया जा सकता है। इनके खिलाफ किसी भी प्रकार का कोई एक्शन नहीं होता है। ऐसे में लोगों के बीच इसको लेकर चर्चा बनी हुई है। ऐसे में लोगों को यातायात नियमों के प्रति कैसे जागरुक किया जाएगा। बताया जा रहा है कि आए दिन ट्रेफिक पुलिस कर्मी बिना हेलमेट के शहर की सड़कों पर निकलते है।

खबर संक्षेप

फुटबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में ओपीएम ने पचगांव शहडोल को 6-2 गोल से हराया

हरिभूमि न्यूज चचाई। 3 जनवरी से विद्युत नगरी चचाई के राजमाता स्टेडियम फुटबॉल ग्राउंड में टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि एसपी निषाद एवं अतिथियों में टीएन चौबे, रमेश सिंह, जितेंद्र सिंह, वंदना खरे, मनीष दौलतानी, सरपंच रामपाल सिंह लहरु एवं सत्यनारायण फुक्कू सोनी की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ फुटबॉल क्लब चचाई टीम के नेतृत्व में आयोजित इस टूर्नामेंट में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा स्वर्गीय रमेश गुप्ता, स्वर्गीय भैया लाल रजक एवं स्वर्गीय जावेद की फोटो पर पुष्प व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच पचगांव शहडोल एवं ओपीएम टीम के खिलाड़ियों का अतिथियों द्वारा परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ किया गया। टूर्नामेंट के मैच रेफरी दिनेश सिंह परिहार के साथ दोनों टीमों ने आक्रामक अंदाज में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया जिसमें ओपीएम की टीम ने रोमांचक मुकाबले में पचगांव शहडोल को 6-2 गोल से हराकर उद्घाटन मैच जीता। 4 जनवरी को इस टूर्नामेंट के दो मुकाबले जैतहरी एवं शिल्पारी वही दूसरा मैच करकटी एवं चिरमिरी के बीच खेला जाएगा।

छिल्पा उपार्जन केंद्र का प्रभारी कलेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

अनूपपुर। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने कलेक्ट्रेट में मिलर्स के साथ संपन्न बैठक के पश्चात उपार्जन केंद्र छिल्पा का आकस्मिक भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी अनूपपुर कमलेश पुरी एवं जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते उपस्थित थे। उपार्जन केंद्र छिल्पा के भ्रमण में किसानों को उपार्जन राशि का भुगतान विलंबित होने तथा खुले में उपार्जन धान बिना त्रिपाल ढके रखे होने पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी व सर्वेयर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए है।

अनूपपुर में धान उपार्जन घोटाला: महिला स्व-सहायता समूहों के नाम पर करोड़ों का खेल

बीते वर्ष आपात्र समूहों से कराई गई खरीदी, गलत खातों में भुगतान, अधिकारियों की मिलीभगत उजागर

पूर्व वर्ष भाजपा मंडल अध्यक्ष वेंकटनगर के खाते में 7.46 लाख ट्रांसफर का मामला

अनूपपुर जिले में धान उपार्जन वर्ष 2024-25 के दौरान महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से खरीदी केंद्रों का आवंटन और भुगतान विवादों में घिर गया है। अधिकारियों की मिलीभगत, फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से करोड़ों रुपये का गबन और विभाग की मनमानी ने स्थानीय किसानों और ग्राम संगठनों के विश्वास को हिला कर रख दिया है। आवंटित संगठनों की जगह उसी वर्ष शासन से आपात्र हुये समूहों से खरीदी करवाई गई और भुगतान गलत खातों में किया गया, जिससे यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि संगठित भ्रष्टाचार का गंभीर उदाहरण बन गया है।

अनूपपुर।

जिले में धान उपार्जन वर्ष 2024-25 के दौरान महिला स्व-सहायता समूहों को आवंटित उपार्जन केंद्रों में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार किए जाने का मामला सामने आया है। गत वर्ष संचनालय भोपाल द्वारा तीन स्व-सहायता समूह को भोपाल द्वारा आपात्र किया गया था। जिसके बाद खाद्य विभाग द्वारा संशोधित सूची भेजी गई, जिसके बाद 18 दिसम्बार को जीवन ज्योति संकुल संगठन अनूपपुर को विपणन परिसर जैतहरी, एकता ग्राम संगठन टकुहली को कृषि उपज मंडी जैतहरी तथा सहारा संकुल संगठन जैतहरी को मैदान ग्राम मनौरा मानिकपुर का खरीदी केन्द्रस का आदेश दिया गया, जिसके कारण 1 दिसम्ब्र 2024 से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी 22 दिसम्बहर 2024 को प्रारंभ हुई। लेकिन जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी अनीता सोरते, कनिष्ठी आपूत्रि अधिकारी सहित एनआरएलएम के प्रबंधक शशांक सिंह की मिली भगत से आवंटित हुई संकुल संगठन वा ग्राम संगठन की जगह उसी वर्ष आपात्र हुये प्रिया स्व-सहायता समूह शिवनी, दुर्गा-2 स्व-सहायता समूह बलबहरा तथा संस्कार स्व-सहायता समूह चोरभटी से खरीदी करवाकर नियम विरूद्ध तरीके से कार्य कराया गया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष वेंकटनगर के खाते में 7 लाख का भुगतान

जिले के जैतहरी क्षेत्र में धान उपार्जन वर्ष 2024–25 के भुगतान को लेकर गंभीर अनियमितता के आरोप सामने आया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीदी केन्द्र मैदान ग्राम मनौरा, मानिकपुर में गत वर्ष धान खरीदी का कार्य सहारा संकुल संगठन जैतहरी को स्वीकृत किया गया था। हालांकि इसी वर्ष कथित रूप से अपात्र घोषित संस्कार स्व-सहायता समूह चोरभठी से धान खरीदी कराए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि उपार्जन प्रक्रिया में नियमों को दरकिनार किया गया। उपार्जन के बाद धान वर्ष 2024–25 के देयकों का भुगतान सहारा संकुल संगठन जैतहरी के खाता क्रमांक 3518610917 से चेक क्रमांक 077638, दिनांक 31 अक्टूबर 2025 के माध्यम से किया गया। यह राशि 7,46,294 बताई जा रही है, जो कथित रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष वेंकटनगर विजय सिंह राठौर के खाता क्रमांक 2193684959 में स्थानांतरित की गई है। सूत्रों के अनुसार संस्कार स्व-सहायता समूह चोरभठी की सदस्य सावित्री राठौर के पुत्र विजय सिंह राठौर है। इस पारिवारिक संबंध के चलते पूरे मामले पर और अधिक सवाल खड़े हो रहे हैं। इस पूरे प्रकरण में राजनीतिक प्रभाव और निजी लाभ को प्राथमिकता दी गई, जिससे न केवल सरकारी नियमों की अनदेखी हुई बल्कि वास्तविक पात्र समूहों के अधिकारों का भी हनन हुआ। मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

प्रिया स्व-सहायता ने फर्जी दस्तावेज से हासिल किया 8 लाख का भुगतान

जीवन ज्योति संकुल संगठन अनूपपुर द्वारा वर्ष 2024 में जीवन ज्योति संकुल संगठन को क्रमांक 1 विपणन परिसर जैतहरी में धान खरीदी केंद्र प्रदान किया गया था। लेकिन उक्त खरीदी प्रिया स्व-सहायता समूह शिवनी द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार धान खरीदी के पश्चात उपार्जित धान के भुगतान की राशि सीधे जीवन ज्योति संकुल संगठन अनूपपुर के खाते में फर्जी दस्तावेज पेश कर प्रिया स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष गिरिजा राठौर ने अपने कब्जे में ले ली। संगठन के खाता क्रमांक 3598916113 से 1 दिसंबर 2025 को 8 लाख रुपये का चेक क्रमांक 086865 काटा गया और उक्त राशि प्राप्त कर ली गई। इस मामले में संगठन की पूर्व अध्यक्ष, अहिल्या पटेल की जगह गिरिजा राठौर द्वारा फर्जी दस्तावेज पेश कर भुगतान प्राप्त करने की जानकारी सामने आई है।

एकता ग्राम संगठन टकुहली के अधिकारों की अनदेखी

गत वर्ष एकता ग्राम संगठन टकुहली को धान खरीदी के लिए कृषि उपज मंडी जैतहरी में आवंटित किया गया था। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से विभाग ने खरीदी एकता ग्राम संगठन की बजाय दुर्गा 2 स्व-सहायता समूह बलबहरा से करवाई। सूत्रों के अनुसार खरीदी के बाद भुगतान भी गलत खाते में किया गया। एकता ग्राम संगठन टकुहली के खाते क्रमांक 36047024646 के माध्यम से जारी चेक क्रमांक 448257 की राशि 10 लाख रुपये दिनांक 25 नवंबर 2025 को दुर्गा 2 स्व-सहायता समूह बलबहरा के खाते क्रमांक 3898273361 में प्राप्त हुई। इस मामले में सबसे बड़ी चिंता यह है कि विभाग ने कार्य को आपात्र संगठन से क्यों करवा दिया, इसका जवाब संबंधित अधिकारियों के पास भी नहीं है। स्थानीय किसानों और ग्राम संगठनों में इस घटना को लेकर गहरा असंतोष है और वे उचित जवाब की मांग कर रहे हैं।

महिला समूहों की धान खरीदी में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार

जिले में धान उपार्जन वर्ष 2024-25 के दौरान महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से खरीदी केंद्रों और भुगतान में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। यह केवल वित्तीय हेराफेरी तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय प्रशासन और राजनीतिक प्रभाव वाले अधिकारियों द्वारा नियमों की पूरी तरह अनदेखी कर शासकीय धन का गलत वितरण करने का खुलासा है। महिला स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने और किसानों के हित में कार्य करने का जो उद्देश्य था, वह पूरी तरह विफल साबित हुआ है। विभाग और अधिकारियों की मनमानी के कारण आवंटित संगठनों की जगह आपात्र समूहों से खरीदी करवाई गई और भुगतान गलत खातों में ट्रांसफर किया गया। इस प्रक्रिया में फर्जी दस्तावेजों और राजनीतिक रिश्तों का खुला दुरुपयोग हुआ। महिला स्व-सहायता समूहों के नाम पर होने वाली इस खरीदी में महिलाओं से ज्यादा पुरुषों की सक्रियता दिखाई देती है, जो महिलाओं को सशक्त बनाने के मूल उद्देश्य का पूर्ण हनन है। इस मामले में उच्च स्तर पर जांच कर संबंधित अधिकारियों और फर्जी भुगतान में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए थी, लेकिन विभाग ने स्वयं के भ्रष्टाचार को छिपाते हुए महिला समूहों में हुई अनियमितताओं को दबाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

इनका कहना है

यदि गत वर्ष धान खरीदी का कार्य सहारा संकुल संगठन जैतहरी को स्वीकृत किया गया था, तो अपात्र घोषित संस्कार स्व-सहायता समूह चोरभठी से धान खरीदी कराया जाना गलत है। उसकी पूरी जांच करना शासन प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है। इस प्रक्रिया में जो भी दोषी पाया जाए, उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे वह कोई भी हो।

फुन्देलाल सिंह मार्को,
विधायक पुष्पराजगढ़

नर्मदा मंदिर के समीप कुएं में जा रहा सीवर लाइन का गंदा पानी

बदबूदार जल से नागरिक परेशान, स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

नगर परिषद से तत्काल ठोस कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 में गंभीर जनसमस्या सामने आई है। नर्मदा उद्गम मंदिर के समीप स्थित एक पुराने कुएं में लंबे समय से सीवर लाइन का गंदा और बदबूदार पानी मिल रहा है, जिससे आसपास निवासरत नागरिकों में भारी आक्रोश एवं चिंता का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त कुआं लगभग 45 से 50 वर्ष पुराना है और वर्षों से आसपास के 5 से 7 परिवारों के साथ-साथ पर्यटक एवं तीर्थ यात्रियों के लिए भी जल का प्रमुख स्त्रोत रहा है। इसी कुएं के पानी का उपयोग पूर्व में पेयजल, स्नान, कपड़े धोने एवं दैनिक कार्यों के लिए किया जाता रहा है। किंतु जब से कुएं के समीप से सीवर लाइन निकाली गई है और पास में ही उसका चेंबर बनाया गया है, तब से चेंबर से रिसाव होकर गंदा, बदबूदार सीवर का पानी कुएं के जल स्त्रोत में जा मिल रहा है। सीवर के दूषित पानी के लगातार रिसाव से कुएं का जल पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है। वर्तमान में

स्थिति यह है कि कुएं का पानी अत्यधिक गंदा और दुर्गंधयुक्त हो गया है। मजबूरीवश स्थानीय रहवासी इस पानी का उपयोग केवल नहाने, कपड़े धोने एवं अन्य घरेलू कार्यों में कर रहे हैं, जबकि पीने के लिए उन्हें टैंकरों के माध्यम से या नगर परिषद की पेयजल पाइपलाइन से पानी लेना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रारंभिक समय में जानकारी के अभाव में कुछ समय तक उन्होंने इसी कुएं का पानी उपयोग किया, जिसके कारण कई लोगों को त्वचा रोग, पेट संबंधी बीमारियों एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसके बाद जब स्थिति की गंभीरता समझ में आई, तब जाकर कुएं के पानी का पीने में उपयोग बंद किया गया। प्रभावित रहवासियों ने इस गंभीर समस्या को लेकर नगर परिषद अमरकंटक के संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से अवगत कराया है। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस एवं कारगर कदम नहीं उठाया गया है, जिससे हालात जस के तस बने हुए हैं। नागरिकों में इस बात को लेकर रोष है कि स्वास्थ्य से जुड़ी इतनी संवेदनशील समस्या पर नगर परिषद की उदासीनता चिंता का विषय है। कुएं से प्रभावित रहवासियों का सुझाव है कि यदि कुएं के पास बने सीवर चेंबर को कुछ दूरी आगे स्थानांतरित कर दिया जाए अथवा सीवर लाइन के रिसाव को तत्काल बंद किया जाए, तो कुएं के जल स्त्रोत को और अधिक प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कुएं की सफाई, जल परीक्षण एवं स्थायी समाधान की भी मांग की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अमरकंटक जैसे पवित्र तीर्थ स्थल पर इस प्रकार की लापरवाही न केवल जनस्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि नगर की धार्मिक एवं पर्यटन छवि को भी नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने नगर परिषद प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

नवविवाहिता का फांसी के फंदे में झूलता मिला शव

मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप

6 महीने पहले हुई थी शादी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के चचाई थाना क्षेत्र के ग्राम बकही में 19 वर्ष की नवविवाहिता का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतका दयावती अगरिया की शादी महज 6 महीने पहले कमलेश अगरिया के साथ हुई थी। इस घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया हैं। पुलिस शुरुआती जांच में इसे आपसी विवाद और खुदकुशी से जोड़कर देख रही है। शनिवार को शव का पोस्टमॉर्टम करा परिजनों को सौप कर फिलहाल मर्ग कायम कर लिया गया है। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि दयावती और कमलेश की शादी 'लव कम अरेंज मैरिज' थी। बताया जा रहा है कि 1 जनवरी की शाम पति कमलेश एक पार्टी में गए थे और उन्हें घर लौटने में देर हो गई थी। इस बात को लेकर दयावती काफी नाराज थी और दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ था। अगले दिन सुबह जब पति किसी काम से बाहर गया, उसी दौरान सुबह दयावती ने कमरे में फांसी लगा ली।

मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप दयावती के मायके वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष उनकी बेटी के साथ मारपीट करता था। ससुराल वालों ने ही उनकी बेटी को मारकर शव फंदे पर लटका दिया है। दोपहर जब मायके वाले बकही गांव पहुंचे, तब पुलिस को खबर दी गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही ससुराल वालों ने शव को फंदे से नीचे उतार लिया था, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है।

जांच में जुटी पुलिस- एएसआई किरण मिश्रा के मुताबिक स्थानीय लोगों ने बताया कि दयावती गुस्सैल स्वभाव की थी और अक्सर विवाद होने पर कमरा बंद कर लेती थी। वह घटना से दो-तीन दिन पहले ही मायके से लौटी थी। पुलिस ने शनिवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। फिलहाल मर्ग कायम कर लिया गया है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही को लेकर कांग्रेस का ज्ञापन, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

थाना रामनगर अंतर्गत एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के राजनगर कालरी आर.ओ. क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही और हाल ही में हुई संदिग्ध घटना को लेकर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजनगर के नेतृत्व में थाना प्रभारी रामनगर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से एसआईएसएफ कंपनी द्वारा की जा रही सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए दोषी सुरक्षा कर्मियों एवं अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह परिहार ने बताया कि एसआईएसएफ कंपनी को कालरी क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन सुरक्षा में घोर लापरवाही सामने आ रही है। 28 दिसंबर को राजनगर आर.ओ सीएचपी क्षेत्र में एक युवक का शव कोयले से लोड वैगन के ऊपर पाया गया। इसी लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों की मिलीभगत के कारण अनधिकृत प्रवेश लगातार बना रहता है, जिससे इस तरह की घटनाएं घटित हो रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि लापरवाह सुरक्षा कर्मियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाए एसआईएसएफ प्रबंधन को सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए जाएं मृतक युवक के परिजनों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

50 हजार में जान की कीमत

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद प्रबंधन द्वारा मामले को शांत करने के उद्देश्य से पीड़ित परिवार को लगभग 50,000 की राशि दी गई। यह राशि दिए जाने की चर्चा चौक-चौराहों से लेकर आमजन के बीच तेजी से फैल रही है और यही अब जनचर्चा का बड़ा विषय बन चुकी है। स्थानीय लोगों और कांग्रेस नेताओं का कहना है, कि क्या किसी व्यक्ति की जान की कीमत महज 50 हजार लगाई जा सकती है? सबसे गंभीर सवाल यह है कि घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद न तो जिम्मेदार सुरक्षा कर्मियों पर कार्रवाई हुई और न ही किसी प्रबंधक की जवाबदेही तय की गई। आशंका जताई जा रही है कि यदि समय रहते दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई और केवल राशि देकर मामलों को दबाने की परंपरा चलती रही, तो भविष्य में इस तरह की कई और घटनाएं घट सकती हैं। सवाल बहुत हैं, लेकिन जवाब देने वाला कोई नहीं, यही वजह है कि पूरे क्षेत्र में आक्रोश और अविश्वास का माहौल बना हुआ है।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से रहे उपस्थित

ब्लॉक अध्यक्ष राहुल सिंह परिहार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर दुबे, नगर परिषद उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, मंडल अध्यक्ष राजू श्रीवास्तव, पूर्व जिला महामंत्री जगदीश पटेल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक जेठानी, गिरजेश श्रीवास्तव, पार्षद गोविंद प्रजापति, संतोष सिंह, सिरवन, पवन सिंह, मंडल अध्यक्ष नरोत्तम अहिरवार, सेवादल अध्यक्ष इमरान अंसारी, राजनगर सेवादल अध्यक्ष मनोहर जायसवाल, युवा कांग्रेस जयप्रकाश पांडे, अयाज अंसारी, सद्दाम अंसारी, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष राहुल जायसवाल, मकसूद अंसारी, रामजी, दीपक, मुकेश राजभर, भागीरथी, आशीष, बल्लू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पवित्र नगरी अमरकंटक में धूप-छांव का खेल जारी

बादलों की आवाजाही से शीतलहर में आई कमी, जनजीवन को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

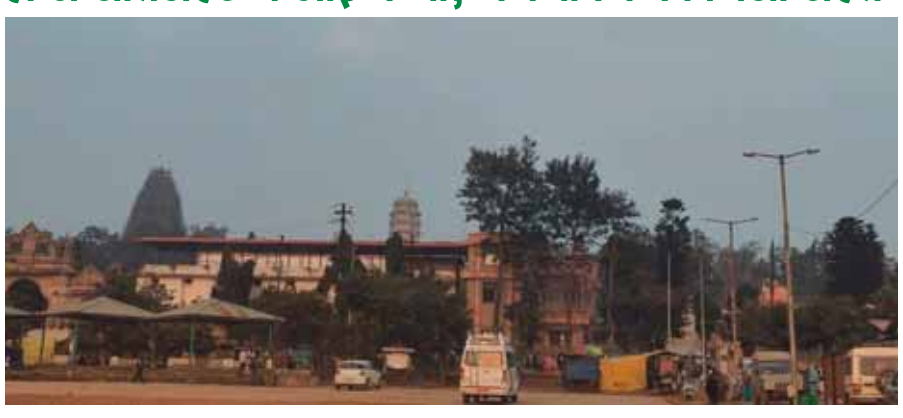

पवित्र नगरी अमरकंटक में नववर्ष 2026 के शुभारंभ के साथ ही विगत एक सप्ताह से जारी भीषण ठंड और शीतलहर में कुछ हद तक विराम देखने को मिला है। लगातार बदलते मौसम और आसमान में बादलों की सक्रियता के कारण ठंड की तीव्रता में कमी दर्ज की गई है, जिससे आमजन के साथ-साथ पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों को भी राहत मिली है। नववर्ष के प्रथम दिवस 1 जनवरी की प्रातः से ही अमरकंटक के स्वच्छ नीले आकाश में घने काले बादलों ने अचानक डेरा जमा लिया। बादलों की इस मौजूदगी ने मौसम का मिजाज ही बदल दिया। बीते दिनों जहां तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस अथवा उसके आसपास बना हुआ था और कड़ाके की ठंड ने लोगों को घरों में कैद कर दिया था, वहीं अब संध्या एवं रात्रि काल का तापमान बढ़कर 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है। तापमान में आई इस बढ़ोतरी से लोगों ने सर्दी से काफी हद तक राहत महसूस की है। पिछले तीन दिनों से अमरकंटक के आसमान में धूप और छांव का खेल लगातार जारी है। कभी तेज धूप तो कभी बादलों की घनी परतें आसमान को ढक लेती हैं। हालांकि ठंड अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है, लेकिन बीते एक सप्ताह की तुलना में अब उसकी तीव्रता कम हो गई है। इससे पहले स्थिति यह थी कि रात के समय ओस की बूंदें जमकर बर्फ का रूप ले लेती थीं, घास, पत्तियों और खुले मैदानों पर सफेद चादर जैसी परत दिखाई देती थी तथा ठंड के कारण लोगों के हाथ-पैर तक सुन्न हो रहे थे। वर्तमान मौसम में इस प्रकार की अत्यधिक ठिठुरन से लोगों को राहत मिली है। आसमान में बादलों के बने रहने से शीतलहर का प्रभाव कमजोर पड़ा है। इसका विशेष लाभ गरीब, असहाय एवं खुले स्थानों पर जीवन यापन करने वाले लोगों को मिला है, जो पिछले कई दिनों से कड़ाके की ठंड का सामना कर रहे थे। ठंड में कमी आने से दैनिक जीवन की गतिविधियां भी धीरे-धीरे सामान्य होने लगी हैं। मौसम में आए इस बदलाव का सकारात्मक प्रभाव अमरकंटक के पर्यटन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। शीतलहर के कमजोर पड़ते ही पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है। मां नर्मदा के उद्गम स्थल, मंदिर परिसर और अन्य दर्शनीय स्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी है, जिससे पवित्र नगरी में एक बार फिर रौनक लौटती नजर आ रही है। कुल मिलाकर, अमरकंटक में जारी धूप-छांव और बादलों की आवाजाही ने जहां मौसम को सुहावना बना दिया है, वहीं लंबे समय से पड़ रही भीषण ठंड से जूझ रहे जनजीवन को भी बड़ी राहत प्रदान की है।